10 (11)

शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (मध्य प्रदेश)

आनो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः

संगीत विषय के अध्ययनमंडल द्वारा अनुमोदित संगीत विषय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

अनुमोदन अकादमिक सत्र
2018–2019

प्रस्तुतकर्ता

स्नातकोत्तर एवं शोध अध्ययन केन्द्र

संगीत विभाग

प्राप्तकर्ता

अकादमिक प्रकोष्ठ

वेबसाइट : www.krgc.gwl.org ईमेल : krgc@rediffmail.com
दूरभाष : 0751 – 2625495, 0751 – 2438173, फैक्स : 0751 – 2625495

Scanned with Oken Scanner

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर

GOVT. KAMLA RAJA GIRLS P.G. AUTO. COLLEGE, GWALIOR (M.P.) INDIA

(Affiliated to Jiwaji University, Gwalior under 2(f) & 12(b) NAAC – 'A' Grade Accredited Institute)

www.krgcgwalior.org krgc@rediffmail.com Phone : 0751- 2625495, 0751-2438173

ग्वालियर, दिनांक 18 अगस्त, 2018

——संगीत——विभाग

अध्ययन मंडल की बैठक का कार्यवाही विवरण

नवीन सत्र 2018–19 हेतु —गायन, वादन, नृत्य—विषय से सम्बंधित अध्ययन मण्डल की बैठक आज दिनांक 18 अगस्त, 2018 को प्रातः 11:00 बजे —संगीत——विभाग में आयोजित की गई, जिसमें निम्नानुसार उपस्थिति रही –

1. डॉ. स्मिता सहस्त्रबुद्धे, विभागाध्यक्ष [signature] 18/8/18
2. डॉ. अतुल कुमार गुप्ता, सहप्राध्यापक – अनुपस्थित
3. डॉ. अनूप मोघे, सहा. प्राध्यापक [signature] 18.8.18
4. डॉ. ज्योत्सना राणा, सहा. प्राध्यापक [signature]
5. डॉ. स्वजा मराठे, सहा. प्राध्यापक [signature] 18.8.18
6. डॉ. संजीव भंडारी, प्राध्यापक, शा. पी.आर.भी. महावि. मुरार – अनुपस्थित
7. डॉ. श्रीवत्सा शेगडेकर, सरोजनी नायडू शा. कन्या स्ना. स्व. महा. भोपाल – अनुपस्थित
8. डॉ. सुप्रिया हरमलकर, प्राध्यापक संगीत शा. क. महावि. किलाभवन इंदौर – अनुपस्थित
9. डॉ. कुं. बबली कुशवाह
10. डॉ. श्रीराम उमडेकर सेवानिवृत्त आकाशवाणी कलाकार छत्रीमंडी ग्वालियर – अनुपस्थित
11. डॉ. नवनीत कौशल, किलागेट, ग्वालियर [signature]
12. डॉ.

Scanned with Oken Scanner

अध्ययनमंडल की बैठक की कार्यवाही निम्नानुसार रही –

1. गायन, वादन एवं नृत्य विषय के स्नातक स्तर के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम अंक योजना सहित सत्र 2018–2019 हेतु अध्ययनमंडल द्वारा मान्य किया जाता है।

2. गायन, वादन एवं नृत्य विषय के स्नातक स्तर के पंचम एवं षष्ठ सेमेस्टर का पाठ्यक्रम अंक योजना सहित सत्र 2018–2019 हेतु अध्ययनमंडल द्वारा मान्य किया जाता है।

3. गायन एवं वादन विषय के स्नातकोत्तर स्तर के प्रथम, द्वितीय, तृतीय, एवं चतुर्थ, सेमेस्टर का पाठ्यक्रम अंक योजना सहित सत्र 2018–2019 हेतु अध्ययनमंडल द्वारा मान्य/अथवा आंशिक संशोधन के साथ मान्य किया जाता है।

4. गायन, वादन, नृत्य विषय की सत्र 2018–2019 में होने वाली परीक्षाओं हेतु संलग्न परीक्षकों की सूची को अध्ययनमंडल द्वारा मान्य किया जाता है।

5. विभाग में सत्र 2018–2019 में यदि कोई शोध संगोष्ठी/कार्यशाला/अधिवेशन/अध्ययन भ्रमण आदि के आयोजन का प्रस्ताव है तो उसका विवरण एवं अनुशंसा—————

प्रदर्शनात्मक व्याख्यान हेतु प्रस्ताव

संगीत विभाग द्वारा प्रतिवर्ष पं. भातखंडे एवं पं. पलुस्कर जी के जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाता रहा है। इसी क्रम में दिनांक 19 सितंबर 2018 को छात्राओं के अध्ययन लाभ की दृष्टि से एक प्रदर्शनात्मक व्याख्यान का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। इस हेतु आयोजन व्यय निम्नानुसार संभावित है। (1) विषय विशेषज्ञ का निवास एवं मानदेय – 8000/- (2) भोजन व्यवस्था = 4000/- (3) हारफूल, माला, मोमेन्टो, शॉल एवं श्रीफल = 2000/- (4) स्वल्पाहार – 6000/- कुल व्यय – रु. 20,000/- । विषय विशेषज्ञ – डॉ. राजेश केलकर विभागाध्यक्ष परफार्मिंग आर्ट्स गायन विभाग, महाराजा सयाजीराव वि. वि. बड़ौदा (गुजरात)

6. यदि विभाग में स्ववित्तीय योजना के तहत् कोई पाठ्यक्रम/अतिरिक्त विषय/डिप्लोमा कोर्स/सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ करने की योजना हो तो उसका विवरण एवं अनुशंसा।

प्रदर्शनात्मक कला गायन, वादन एवं नृत्य

अवधि - एक माह - सुगम संगीत गायन गीत ~~मैथिरल~~ बिहारी वाजपेई के गीत अथवा कोई दो गजल गाए जाये।

7. यदि अन्य कोई विषय हो तो उसका विवरण एवं अनुशंसा।

(1) रिकार्डिंग स्टूडियो बनाना प्रस्तावित है।

(2) ~~विषय~~ विषय विशेषज्ञ द्वारा सुझाया गया कि कक्षाओं मे माईक व्यवस्था हो इसकी अनुशंसा की गई है।

Note-) अनुमानित व्यय रू. एक लाख।

हस्ताक्षर अध्ययन मंडल अध्यक्ष एवं समस्त सदस्य

[signature] [signature] 18.8.18

दि. 18.08.18

[signature] [signature] 18/8/18 [signature]

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– प्रथम वर्ष सैध्दांतिक–प्रथम प्रश्न पत्र सत्र– 2017–18

पूर्णांक– 30

उत्तीर्णांक–11

आंतरिक मूल्यांकन–10

सैध्दांतिक प्रथम प्रश्नपत्र मे निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे–
(रागों के नाम– यमन, बिलावल, खमाज, आसावरी, काफी, भैरव)

इकाई–1

परिभाषाएँ

अ. संगीत, स्वर, अलंकार सप्तक, थाट, राग।

ब. आरोह, अवरोह, पकड़, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी।

इकाई–2

निम्नलिखित रागों का दोहा, आरोह–अवरोह एवं पकड़ सहित विवरण –

अ. यमन, बिलावल, खमाज।

ब. उपरोक्त रागों के प्रारंभिक पाँच अलंकारो का लेखन/अभ्यास।

इकाई–3

अ. पं. विष्णु नारायण भातखंडे की स्वरलिपि पद्धति का अध्ययन।

ब. सामान्य ज्ञान -- सरगम, लक्षणगीत एवं छोटाख्याल।

इकाई–4

अ. हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के दस थाट एवं उनके सांकेतिक चिन्ह।

ब. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित गीतों का स्वरलिपि सहित लेखन--
1. सरगम 2. लक्षणगीत 3. छोटाख्याल

इकाई–5

अ. पं. विष्णु नारायण भातखंडे जी का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान।

ब. निम्नलिखित तालों का अध्ययन (मात्रा, बोल एवं चिन्ह सहित) –
त्रिताल, एकताल।

Scanned with Oken Scanner

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– प्रथम वर्ष

सैध्दांतिक–द्वितीय प्रश्न पत्र

सत्र– 2017–18
पूर्णांक– 30
उत्तीर्णांक–11
आंतरिक मूल्यांकन–10

सैध्दांतिक द्वितीय प्रश्न पत्र में निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे–
(रागों के नाम– यमन, बिलावल, खमाज, आसावरी, काफी, भैरव)

इकाई–1

परिभाषाएँ

अ. नाद, श्रुति, पूर्वांग, उत्तरांग, आश्रय राग।

ब. वर्जित स्वर, वक्र स्वर, कण स्वर, मींड, वर्ण।

इकाई–2

अ. निम्नलिखित रागों का दोहा, आरोह, अवरोह एवं पकड़ सहित विवरण–
भैरव, काफी, आसावरी।

ब. उपरोक्त रागों के प्रारंभिक पाँच अलंकारों का लेखन/अभ्यास।

इकाई–3

अ. राग–जाति का सामान्य अध्ययन (औडव, षाडव, संपूर्ण)।

ब. राग की 09 उपजातियाँ।

इकाई–4

अ. शुद्ध, छायालग, संकीर्ण राग।

ब. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित गीतों का स्वरलिपि सहित लेखन–
1. सरगम 2. लक्षणगीत 3. छोटाख्याल

इकाई–5

अ. पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर जी का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान।

ब. निम्नलिखित तालों का अध्ययन (मात्रा, बोल, चिन्ह सहित)–
झपताल, चौताल।

Scanned with Oken Scanner

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

सत्र– 2017–18

स्नातक– प्रथम वर्ष

प्रायोगिक

पूर्णांक– 70

उत्तीर्णांक– 23

सैध्दांतिक प्रथम एवं द्वितीय प्रश्न पत्र में निर्धारित समस्त रागों के आधार पर प्रायोगिक परीक्षा संपन्न होगी–

(रागों के नाम– यमन, बिलावल, खमाज, आसावरी, काफी, भैरव)

1. समस्त रागों में प्रारंभिक पांच अलंकारो का गायन।
2. समस्त रागों में आरोह, अवरोह, पकड एवं सरगम का गायन।
3. समस्त रागों में लक्षणगीतों का गायन।
4. समस्त रागों में छोटा ख्याल का गायन।
5. निम्नलिखित तालों की हाथ से ताली देकर प्रस्तुति–
   त्रिताल, एकताल, झपताल एवं चौताल।
6. भजन, राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, मध्यप्रदेश गीत का गायन।

बी0ए0 प्रथम वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2017–18
प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक) वाद्य संगीत
तंत्र वाद्य एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :– 30

इकाई –1

1 पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विवेचनात्मक अध्ययनः
भूपाली, यमन, काफी, अल्हैया बिलावल।

2 वर्ण तथा उसके प्रकारों का वर्णन। वादी संवादी, अनुवादी, विवादी।

इकाई–2

1. पं. भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति का वर्णन।
2. पाठ्यक्रम के रागों की रज़ाखानी गत लिखना।
3. संगीत की उत्पत्ति एवं तंत् संबंधी अवधारणा।

इकाई–3

1. परिभाषाएं:– नाद, स्वर, सप्तक, अलंकार, तोड़ा, तान, घसीट, मींड, कृन्तन, ज़मज़मा, राग.श्रुति, गमक, थाट, कण, संगीत।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित तालों की ठाह तथा दुगुन लिखना, तीनताल, कहरवा, दादरा तथा रुपक।

इकाई–4

1. निम्नलिखित गीत शैलियों का वर्णनः– चतुरंग, सरगम, ख्याल, लक्षणगीत, ग़ज़ल, भजन।
2. मसीतखानीगत तथा रज़ाखानी गत की परिभाषा।
3. राग की जातियों का अध्ययन।

इकाई–5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय लिखिएं

पं. विष्णु नारायण भातखण्डे, इमदादखां, तानसेन, पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर।

Scanned with Oken Scanner

बी0ए0 प्रथम वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2017–18
द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक) वाद्य संगीत
तंत्र वाद्य एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :– 30

इकाई –1

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का विवेचानात्मक अध्ययनः भैरव, दुर्गा, खमाज तथा मालकौंस।
2. अपने वाद्य का सचित्र वर्णन तथा उसको मिलाने की विधि।

इकाई–2

1. आवर्तन, ठेका, तिहाई, लय तथा उसके प्रकार (विलम्बित, मध्य तथा द्रुत लय)
2. पाठ्यक्रम के रागों की रजाखानी गत बोल, मात्रा सहित लिखना।
3. प्राचीन भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई–3

1. दस थाटों की जानाकरी।
2. वादकों के गुण अथवा दोष।

इकाई–4

1. ध्वनि की परिभाषा (आन्दोलन, तरंग) नाद, सांगीतिक ध्वनि एवं शोर।
2. नाद के गुण, तारता, तीव्रता, (ऊंचा, नीचापन, छोटा बड़ापन)।

इकाई–5

संगीत विषयक निबंध।

Scanned with Oken Scanner

बी0ए0 प्रथम वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2017–18
तृतीय प्रश्न पत्र (प्रायोगिक) वाद्य संगीत
तंत्र एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :– 70

1. कल्याण, खमाज, काफी थाटो कें अलंकारों का अपने वाद्य पर वादन। मिज़राब के बोलों का अभ्यास।
2. पाठ्यक्रम के रागों में से दो रज़ाखानीगत का वादन।
3. पाठ्यक्रम में से किसी एक राग में झाला वादन।
4. पाठ्यक्रम के तालों में से दादरा, रुपक, तीनताल की ठाह तथ दुगुन, हाथ पर ताली से प्रदर्शन।

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2018–2019

कक्षा	–	बी.ए. द्वितीय वर्ष
विषय	–	नृत्य–कथक
प्रश्न–पत्र	–	सैद्धांतिक
अधिकतम अंक	–	50

उद्देश्य :– भारतीय नृत्यकला विद्यार्थी को शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक स्तर पर सशक्त बनाती है, भारत में शास्त्रीय नृत्यों की एक समृद्ध परम्परा और इतिहास है। ये नृत्य हमारी सांस्कृतिक विरासत की मजबूत कड़ी है।

भारतीय कला व संस्कृति से परिचय कराती नृत्यकला का उच्च शिक्षा के अन्तर्गत विषय के रूप में अध्ययन न केवल छात्र को अपनी मजबूत सांस्कृतिक विरासत से परिचित करावेगा, अपितु उसे इस कला के शास्त्र और प्रायोगिक पक्ष में निहित सौदर्न्य को समझने का अवसर भी प्रदान करेगा।

–:इकाई प्रथमः–

- कथक नृत्य के विभिन्न घरानों का सामान्य परिचय
  1. लखनऊ घराना
  2. जयपुर घराना
  3. बनारस घराना
  4. रायगढ़ घराना
- नवाब वाजिदअली शाह का कथक नृत्य के विकास में योगदान

–:इकाई द्वितीयः–

- अभिनय की परिभाषा एवं उसके भेद।
- रस एवं भाव की परिभाषा।
- नव रसो का सामान्य परिचय।

–:इकाई तृतीयः–

- अभिनय दर्पण के अनुसारः–
  8 दृष्टि भेद
  7 भ्रकुटी भेद
- नाट्यशास्त्र का सामान्य परिचय
- अभिनय दर्पण का सामान्य परिचय

Scanned with Oken Scanner

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2018–2019

कक्षा	–	बी.ए. द्वितीय वर्ष
विषय	–	नृत्य–कथक
प्रश्न–पत्र	–	सैद्धांतिक
अधिकतम अंक	–	50

–:इकाई चतुर्थः–

- लोकनृत्य की परिभाषा।
- मध्यप्रदेश के किसी एक लोकनृत्य का विस्तृत परिचय।
- नृत्य का अन्य ललित कलाओं से संबंध।

–:इकाई पंचमः–

- ताल परिचय एवं ठेके को थाह व दुगुन लय में लिखने का अभ्यास।
  1. ताल झपताल
  2. ताल एकताल
- ताल झपताल में बोलो को लिखने का अभ्यास।
- जीवन परिचयः–
  1. पं. कार्तिक राम
  2. डॉ. पुरू दाधीच
  3. श्रीमती कुमुदिनी लाखिया

पाठ्यक्रम हेतु संदर्भित पुस्तकों की सूचीः–

1. कथक नृत्य शिक्षा भाग–1 डॉ. पुरू दाधीच
2. कथक नृत्य शिक्षा भाग–2 डॉ. पुरू दाधीच
3. कथक दर्पण – तीरथराम आजाद
4. नृत्य निबंध – डॉ. पुरू दाधीच
5. भारत के लोकनृत्य – श्याम परमार
6. कथक अक्षरों की आरसी – डॉ. ज्योती बक्सी

Scanned with Oken Scanner

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2018–2019

कक्षा	–	बी.ए. द्वितीय वर्ष
विषय	–	नृत्य–कथक
प्रश्न–पत्र	–	प्रायोगिक– प्रथम
अधिकतम अंक	–	40

–:ताल नर्तनः–

- ताल झपताल में नर्तनः–
  1. तत्कार – थाह, दुगुन, चौगुन
  2. नमस्कार – 01
  3. थाट – 02
  4. तोड़े – 03
  5. चक्कदार – 02
  6. परन – 02
  7. चक्कदार – 01
  8. कवित – 01
  9. तिहाई – 02

- ताल त्रिताल में ततकार के पल्टे/बाट
- ताल एकताल का परिचय व ठेके की ठाह दुगुन
- हाथ से ताल देते हुए समस्त बोलो को पढ़ने का अभ्यास।

Scanned with Oken Scanner

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2018–2019

कक्षा	–	बी.ए. द्वितीय वर्ष
विषय	–	नृत्य–कथक
प्रश्न–पत्र	–	प्रायोगिक– द्वितीय
अधिकतम अंक	–	40

–:अभिनय:–

- गणेश वन्दना–
- गत निकास–
  1. घूंघट के प्रकार
  2. रूखसार की गत
- गतभाव– पनघट लीला
- भजन
- दृष्टि भेदों का प्रायोगिक प्रदर्शन
- पिछले पाठ्यकम की पुनरावृत्ति

Scanned with Oken Scanner

संगीत

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– द्वितीय वर्ष प्रथम प्रश्न पत्र सैध्दांतिक

सत्र– 2018–19
पूर्णांक– 30
उत्तीर्णांक–11
आंतरिक मूल्यांकन–10

सैध्दांतिक प्रथम प्रश्न पत्र में निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे
(रागों के नाम– वृंदावनी सारंग, हमीर, केदार, बिहाग, पूरिया, मालकौंस, देस)

इकाई–1

परिभाषाएँ :

अ. ग्रह, अंश, न्यास, अल्पत्त्व, बहुत्व, आलाप तथा बोल आलाप।

ब. भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई–2

अ. निम्नलिखित रागों का दोहा, आरोह, अवरोह एवं पकड़ सहित विवरण–
वृंदावनी सारंग, केदार, बिहाग।

ब. राग यमन, बिलावल एवं भैरव में क्रमांक 06 से 10 तक अलंकारों का लेखन।

इकाई–3

अ. पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर की स्वरलिपि पद्धति का अध्ययन।

ब. सामान्य ज्ञान : विलंबित ख्याल, ध्रुवपद, तराना।

इकाई–4

अ. तानपूरे का सचित्र विवरण।

ब. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित गीतों का स्वरलिपि सहित लेखन–
1. सरगम 2. लक्षणगीत 3. विलंबितख्याल 4. छोटाख्याल 5. ध्रुवपद ।

इकाई–5

अ. स्वामी हरिदास का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान।

ब. निम्नलिखित तालों का अध्ययन एवं दुगुन सहित लेखन (मात्रा, बोल एवं चिन्ह सहित)–
तिलवाड़ा एवं कहरवा।

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक-- द्वितीय वर्ष द्वितीय प्रश्न पत्र सैध्दांतिक सत्र-- 2018–19
पूर्णांक-- 30
उत्तीर्णांक–11
आंतरिक मूल्यांकन–10

सैध्दांतिक द्वितीय प्रश्न पत्र में निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे–
(रागों के नाम– वृंदावनी सारंग, हमीर, केदार, बिहाग, पूरिया, मालकौंस, देस)

इकाई–1

अ. ताल, लय, मात्रा, सम, ताली, खाली, आवर्तन।
ब. नाद की विशेषताएँ– सांगीतिक एवं असांगीतिक ध्वनि।

इकाई–2

अ. निम्नलिखित रागों का दोहा, आरोह, अवरोह एवं पकड़ सहित विवरण–
पूरिया, मालकौंस, देस।
ब. हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के 40 सिद्धांत।

इकाई–3

अ. गायकों के गुण।
ब. गायकों के अवगुण।

इकाई–4

अ. तबले का सचित्र वर्णन।
ब. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित गीतों का स्वरलिपि सहित लेखन–
1. सरगम 2. लक्षणगीत 3. विलंबितख्याल 4 छोटाख्याल 5. ध्रुवपद ।

इकाई–5

अ. तानसेन का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान।
ब. निम्नलिखित तालों का अध्ययन एवं दुगुन सहित लेखन (मात्रा, बोल एवं चिन्ह सहित)–
धमार, दादरा।

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– द्वितीय वर्ष

प्रायोगिक

सत्र– 2018–19
पूर्णांक– 70
उत्तीर्णांक– 23

- गत वर्ष के प्रायोगिक पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
- सैध्दांतिक प्रथम एवं द्वितीय प्रश्न पत्र मे निर्धारित समस्त रागों के आधार पर प्रायोगिक परीक्षा संपन्न होगी।

(रागों के नाम– वृंदावनी सारंग, हमीर, केदार, बिहाग, पूरिया, मालकौंस, देस)

1. राग यमन, बिलावल एवं भैरव में क्रमांक 06 से 10 तक अलंकारों का गायन।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किन्हीं दो रागों में सरगम गीत का गायन।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किन्हीं दो रागों में लक्षणगीत का गायन।
4. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किन्हीं एक राग में एक विलंबित ख्याल का गायन (केवल बंदिश)।
5. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किन्हीं चार रागों में छोटा ख्याल का गायन (तानों सहित) एवं एक तराना गायन।
6. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों मे से किन्हीं एक राग में एक ध्रुवपद का गायन एवं दुगुन।
7. निम्नलिखित तालों की हाथ से ताली दे कर प्रस्तुति–
   तिलवाडा, कहरवा, दादरा, धमार।
8. लोकगीत का गायन।

Scanned with Oken Scanner

संगीत

बी0ए0 द्वितीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2018—19
प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक) वाद्य संगीत
तंत्र एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :— 30

इकाई—1

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विस्तृत एवं तुलनात्मक अध्ययनः—
   देश, बागेश्री, बृन्दावनी सारंग, भीमपलासी।

2. शुद्ध, छायालग, संकीर्ण रांग, ग्रह, अंश न्यास, अपन्यास, विन्यास का वर्णन।

इकाई—2

1. परिभाषाऐं:— अल्पत्व, बहुत्व, स्थायी, अंतरा, संचारी, आभोग।
2. पाठ्यक्रम के रागों में मसीतखानी एवं रजाखानी गत (बोल, मात्रा, तोडो सहित) स्वरलिपि लेखन।

इकाई—3

1. निम्नलिखित तालों की ठाह, दुगुन तथा चौगुन लयों में स्वरलिपि लेखन :— एकताल, चौताल, झपताल, सूलताल।
2. ग्राम, मूर्च्छना तथा उसके प्रकारों का वर्णन।

इकाई—4

1. निम्नलिखित गीत प्रकारों का वर्णनः—
   लावनी, होरी, कजरी, चैती, मांड, गरबा, धुन, ध्रपद, धमार, तराना।

इकाई—5

जीवन परिचय एवं संगीतिक योगदान।

1. उ. अलाउद्दीन खॉं।
2. आचार्य भरत।
3. पं. रविशंकर।
4. पं. शारंगदेव।

Scanned with Oken Scanner

बी0ए0 द्वितीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2018–19
द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक) वाद्य संगीत
तंत्र एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :–30

इकाई–1
1. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विस्तृत एवं तुलनात्मक अध्ययनः– भैरवी देशकार, ललित, पूरिया।
2. हार्मनी तथा मलॉड़ी की उदाहरण सहित व्याख्या।

इकाई–2
1. घराना व्याख्या एवं महत्व।
2. वाद्य संगीत के विभिन्न घराने(अपने वाद्य के संदर्भ में)

इकाई–3
1. रागों का समय चक्र– कोमल रे ध कोमल ग नी, परमेल प्रवेशक राग, अर्ध्वदर्शक स्वर, आश्रय राग संधि प्रकाश रागों के संदर्भ में।

इकाई–4
1. उत्तर भारतीय एवं कर्नाटक संगीत की स्वर पद्धति का विवेचना।
2. मध्यकालीन भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई–5
संगीत विषयक निबन्ध लेखन।

Scanned with Oken Scanner

बी0ए0 द्वितीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2018–19
तृतीय प्रश्न पत्र (प्रायोगिक) वाद्य संगीत
तंत्र एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :–70

1. भैरव, भैरवी, विलावल थातों में अलंकारों का अपने वाद्य पर वादन तथा मिजराब के बोलो का अभ्यास।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित किसी एक राग में मसीतखानी गत एवं सभी रागो में रज़ाखानी गत का वादन।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों को हाथ पर ठाह, दुगुन एवं चौगुन लयों में प्रदर्शनः– एकताल, चौताल, झपताल, सूलताल।
4. पाठ्यक्रम में निर्धारित किन्ही दो रागों में झाला वादन।

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. पंचम सेमेस्टर 2017–18

प्रथम प्रश्न पत्र – सैद्धान्तिक (गायन)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–42
आ.मू.–08

इकाई – 1

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों एवं तालों की विवेचनात्मक जानकारी – शुद्ध कल्याण, छायानट, रामकली, बहार, दरबारी, कान्हड़ा, पूरिया। आड़ा चौताल, दीपचन्दी, पंजाबी–ठेका, ठाह, दुगुन, चौगुन में लेखन।
2. पाठ्यक्रम के रागों की विलम्बित एवं द्रुत बंदिशों का स्वरलिपि लेखन।

इकाई – 2

अहोबल एवं श्रीनिवास द्वारा वीणा के तार पर निर्धारित शुद्ध एवं विकृत स्वर स्थान।

पं. व्यंकटमखी के एक सप्तक से 72 थाटों की उत्पत्ति का सिद्धांत।

इकाई –3

1. ग्राम परिभाषा एवं प्रकार, राग वर्गीकरण के अन्तर्गत राग रागिनी वर्गीकरण।

इकाई –4

निबद्ध अनिबद्ध गान, आलप्ति, रागालाप, रूपकालाप की परिभाषाएं।

इकाई –5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं संगीत में योगदान।

पं. कुमार गंधर्व, उ. अल्लाउद्दीन खाँ

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. पंचम सेमेस्टर 2017–18

द्वितीय प्रश्न पत्र – प्रायोगिक (गायन)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–50

इकाई – 1

पाठ्यक्रम के निम्न रागों में से किसी दो रागों में विलम्बित ख्याल (आलाप तान तोड़ों सहित) तथा सभी रागों में सरगम, लक्षणगीत, द्रुत रचनाएं।

शुद्धकल्याण, छायानट, रामकली, बहार, दरबारी कान्हड़ा, पूरिया।

इकाई – 2

निम्न तालों के ठेके एवं दुगुन हाथ पर लगाने का अभ्यास।
आड़ा चौताल, दीपचन्दी, पंजाबी।

इकाई –3

उपर्युक्त रागों में से किन्हीं दो में तराना, एक ध्रुवपद, दुगुन, चौगुन के साथ।

इकाई –4

गायन हेतु – दादरा (कोई एक)

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. पंचम सेमेस्टर 2017–18

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धान्तिक (वाद्य संगीत सितार)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–42
अं.पू.–08

इकाई –1

अ. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विवेचनात्मक वर्णन –
दरबारी–कान्हाड़ा, मारवा, शुद्ध कल्याण, पूरिया धनाश्री, पूर्वी।

ब. निम्नलिखित तालों की ठाह, दुगुन तथा चौगुन।
दीपचन्दी, पंजाबी, आड़ा चौताल

इकाई –2

पं. भातखण्डे एवं पं. पलुस्कर स्वरलिपि पद्धति।
गमक और उसके प्रकार
मारवा एवं पूर्वी थाट में अलंकार लेखन

इकाई –3

पारिभाषिक शब्दावलियों का वर्णन– गीत, गांधर्व, गान, तिरवट, सरगम, लक्षणगीत।
पं. भातखण्डे जी के एक सप्तक से 32 थाटों की उत्पत्ति का सिद्धांत।

इकाई –4

पाठ्यक्रम के रागों की रजाखानी गत। मसीतखानी गत तानों सहित।
मारवा, पूर्वी थाट में अलंकार

इकाई –5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का विस्तृत जीवन परिचय।
अ. उ. विलायत खाँ, पं. श्रीनिवास
ब. गज वाद्यों की जानकारी (कोई दो)

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. पंचम सेमेस्टर 2017–18

द्वितीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (वाद्य संगीत सितार)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक- 50

इकाई – 1

पाठ्यक्रम में निम्नलिखित रागों में से किन्हीं दो रागों में मसीतखानी तथा रजाखानी गत तानों सहित।

दरबारी कान्हाड़ा, पूरिया धनाश्री, शुद्ध कल्याण, मारवा (कोई तीन), पूर्वी

इकाई – 2

निम्नलिखित तालों की हाथ पर ठाह, दुगुन तथा चौगुन –

दीपचन्दी, आड़ा चौताल, पंजाबी।

इकाई –3

उपरोक्त किन्हीं दो रागों में झाला वादन।

इकाई –4

हारमोनियम पर धुन 'सारे जहाँ से अच्छा' बजाना।

इकाई –5

प्रायोगिक रिकॉर्ड।

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. पंचम सेमेस्टर 2017–18

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धान्तिक (कत्थक नृत्य शास्त्र)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–42
आ.मू.–08

इकाई – 1

नाट्य शास्त्र के अनुसार निम्न विषयों का अध्ययन

(अ) रस निष्पत्ति के सिद्धान्त का अध्ययन।

(ब) रस के प्रकारों का अध्ययन।

इकाई – 2

अभिनय दर्पण के अनुसार निम्न विषयों का अध्ययन –

क. गतिभेद

ख. नवग्रह हस्त

इकाई –3

1. रास लीला की उत्पत्ति का अध्ययन।
2. अभिनय भेद का अध्ययन

इकाई –4

1. जीवनियाँ –

   (अ) पं. बिरजू महाराज

   (ब) श्रीमती सितारा देवी

2. प्रायोगिक में सीखे गये तालों में बोल लिपिबद्ध करना।
   ताल– ताल तीन ताल, पंचम सवारी

इकाई –5

(अ) कथक के विकास में रायगढ़ महाराज चक्रधर सिंह जी का योगदान।

(ब) कत्थक नृत्य के वस्त्र क्रम का परिचय

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. पंचम सेमेस्टर 2017–18

द्वितीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कत्थक नृत्य शास्त्र)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–50

इकाई – 1

ताल पंचम सवारी में नृत्य–

ततकार, ठाठ, आमद–2, तोड़ा–3, परन (मिश्र, चतुरश्र, जाति), कवित्त–2, चक्करदार –1

इकाई – 2

ताल तीनताल में –

प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के साथ–साथ निम्न विषयों का अध्ययन –

त्रिपल्ली, चौपल्ली

इकाई –3

(अ) गत निकास (प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के)

(ब) गत भाव– माखन चोरी

(स) भाव पक्ष– ठुमरी अथवा भजन पर भाव।

इकाई –4

ततकार में लय बाँट तथा प्रकारों का अभ्यास।

इकाई –5

एक लोक नृत्य।

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर 2017–18

प्रथम प्रश्न पत्र – सैद्धान्तिक (गायन)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–42
आ.मू.–08

इकाई –1

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों एवं तालों की विवेचनात्मक जानकारी – मियाँमल्हार, दुर्गा, अडाणा, मियाँ की तोड़ी, तिलंग, पूरियां धनाश्री। सवारी, गजझम्पा, शिखर – ठेका, दुगुन, चौगुन में लेखन।
2. पाठ्यक्रम के रागों में विलम्बित एवं द्रुत बंदिशों का लेखन।

इकाई –2

अ. पं. भरत की श्रुति स्वर व्यवस्था एवं सारणा प्रक्रिया।
ब. राग समय सिद्धांत।
स. एक थाट से 484 रागों की उत्पत्ति का सिद्धांत।

इकाई –3

मूर्च्छना– परिभाषा एवं प्रकार। राग वर्गीकरण के अन्तर्गत मेल राग एवं थाट राग वर्गीकरण।

इकाई –4

राग– परिभाषा, राग जाति एवं प्रकार।

इकाई –5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं संगीत में योगदान।
गंगूबाई हंगल, पं. राजाभैया पूछवाले

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर 2017–18

द्वितीय प्रश्न पत्र – प्रायोगिक (गायन)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–50

इकाई –1

पाठ्यक्रम के निर्धारित निम्न रागों में से किन्हीं दो में विलम्बित ख्याल आलाप तान सहित) तथा सभी रागों में सरगम, लक्षणगीत, द्रुत रचनाएं। आलाप तान सहित।

मियाँ मल्हार, दुर्गा, अडाणा, मियाँ की तोड़ी, तिलंग, पूरिया धनाश्री।

इकाई –2

निम्न तालों के ठेके एवं दुगुन हाथ पर लगाने का अभ्यास –
सवारी, गजझम्पा, शिखर।

इकाई –3

उपर्युक्त रागों में से किन्हीं दो रागों में तराना एवं एक धमार दुगुन, चौगुन सहित।

इकाई –4

चतुरंग अथवा ठुमरी

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर 2017–18

द्वितीय प्रश्न पत्र – प्रायोगिक (गायन)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–50

इकाई –1

पाठ्यक्रम के निर्धारित निम्न रागों में से किन्हीं दो में विलम्बित ख्याल आलाप तान सहित) तथा सभी रागों में सरगम, लक्षणगीत, द्रुत रचनाएं। आलाप तान सहित।

मियाँ मल्हार, दुर्गा, अडाणा, मियाँ की तोड़ी, तिलंग, पूरिया धनाश्री।

इकाई –2

निम्न तालों के ठेके एवं दुगुन हाथ पर लगाने का अभ्यास –

सवारी, गजझम्पा, शिखर।

इकाई –3

उपर्युक्त रागों में से किन्हीं दो रागों में तराना एवं एक धमार दुगुन, चौगुन सहित।

इकाई –4

चतुरंग अथवा ठुमरी

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर 2017–18

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धान्तिक (वाद्य संगीत सितार)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक 42
अंक 08

इकाई –1

अ. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विवेचनात्मक विवरण कीजिए
दुर्गा, वसंत, मियाँ मल्हार, तोड़ी, तिलंग।

ब. निम्नलिखित तालों को ठाह, दुगुन तथा चौगुन के साथ लिखना
एकताल, धमार, पंचम सवारी

इकाई –2

एक थाट से 484 (चार सौ चौरासी) रागों की उत्पत्ति का सिद्धान्त।

इकाई –3

अ. गमक, थाट वर्णन।

ब. पाठ्यक्रम के रागों में से मसीतखानी/रजाखानी गत तानों सहित।
तोड़ी, भैरवी थाट के अलंकार।

स. भरत की श्रुति स्वर व्यवस्था एवं सारणा।

इकाई –4

राग समय सिद्धान्त, राग में वादी स्वर का महत्व।

इकाई –5

निम्नलिखित संगीतज्ञों की जीवनी –

1. उ. मुशताक अली खाँ, स्वामी हरिदास
2. ताल वाद्यों की जानकारी (कोई दो)

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर 2017–18

द्वितीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (वाद्य संगीत सितार)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक 50

इकाई – 1

पाठ्यक्रम में से किन्हीं दो रागों की मसीतखानी तथा रजाखानी गत तानों सहित।

राग दुर्गा, बसंत, मियाँ मल्हार, तोड़ी, बिहाग

इकाई – 2

निम्नलिखित तालों की हाथ पर ठाह, दुगुन तथा चौगुन

एक ताल, धमार, पंचम सवारी

इकाई –3

किन्हीं दो रागों में झाला वादन।

इकाई –4

हारमोनियम पर धुन।

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर 2017–18

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धान्तिक (कत्थक नृत्य शास्त्र)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–42
आ.मू.–08

इकाई – 1

नाट्य शास्त्र के अनुसार निम्न विषयों का अध्ययन –

(अ) भरत की रंगमंच व्यवस्था का अध्ययन।

(ब) भाव व उनके प्रकारों का अध्ययन। (रस निष्पत्ति के संदर्भ में)

चतुस्त्र (वर्गाकार), त्र्यस्त्र (त्रिभुजाकार), विकृष्ट (आयताकार)

इकाई – 2

अभिनय दर्पण के अनुसार निम्न विषयों का अध्ययन –

क. दशावतार हस्त

ख. देवहस्त

इकाई –3

(अ) लोकनृत्य की उत्पत्ति, विकास, सामाजिक एवं धार्मिक महत्व।

(ब) रासलीला का कथक से सम्बन्ध।

इकाई –4

1. जीवनियाँ –

(अ) गोपीकृष्ण (ब) दुर्गालाल

2. प्रायोगिक में सीखे गये तालों में बोल परण लिपिबद्ध करना।

ताल गजझम्पा – 15 मात्रा ताल तीनताल – 16 मात्रा

इकाई –5

कथक के विकास में (अ) लखनऊ नबाव वाजिद अली शाह का योगदान।

(ब) रायगढ़ के प्रमुख नृत्यकर्मी का जीवन परिचय पं. कार्तिक राम

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर 2017–18

द्वितीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कत्थक नृत्य शास्त्र)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–50

इकाई – 1

ताल गजझम्पा में नृत्य –

ततकार, ठाठ, आमद–2, तोड़ा–3, परण (तिस्त्र मिश्र जाति), कवित्त–2, तिहाई–2, चक्करदार तोड़ा–1

इकाई – 2

ताल तीनताल में –

प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के साथ–साथ निम्न विषयों का अध्ययन

फरमाईशी, चक्करदार, नवहक्का परनों का अभ्यास।

इकाई –3

(अ) गत निकास– मुरली, घूँघट, रूखसार

(ब) गत भाव– गोवर्धन लीला

इकाई –4

(अ) ठुमरी अथवा चतुरंग पर भाव प्रदर्शन

(स) ततकार के प्रकार (लय बाट)

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 2018–19

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धान्तिक (कंठ/वादन)

101– संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धान्त

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85
आ.मू.–15

इकाई –1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन –

श्याम कल्याण, अहीर भैरव, शुद्ध सारंग, रागेश्री, बागेश्री, गुर्जरी तोड़ी।

इकाई –2

अ– निम्नलिखित तालों के ठेके ठाह, दुगुन, चौगुन एवं आड़, कुआड़, विआड़ लय में लिखना एकताल, त्रिताल, आड़ा–चौताल

ब– हारमनी – मैलॉडी का अध्ययन।

इकाई –3

अ– प्रायोगिक पाठ्यक्रम के रागों में विलम्बित एवं मध्यलय की बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास–आलाप एवं तानों/तोड़ों सहित

ब– संगीत के सप्तक का विकास

इकाई –4

अ– राग– परिभाषा, जाति एवं प्रकार।

ब– राग वर्गीकरण– दशविधि राग वर्गीकरण एवं
राग– रागिनी वर्गीकरण।

इकाई –5

अ– रस की परिभाषाएं, रस प्रकार, स्वर एवं रस का पारस्परिक संबंध।

ब– सौन्दर्य शास्त्र– रस एवं सौन्दर्य का पारस्परिक सम्बन्ध

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 2017–18

द्वितीय प्रश्न–पत्र – सैद्धान्तिक (कंठ/वादन)

102 – भारतीय संगीत का इतिहास

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85
आ.गू.–15

इकाई – 1

संगीत का उद्गम – भारतीय एवं पाश्चात्य मतानुसार।

इकाई – 2

भारतीय संगीत का इतिहास–वैदिक कालीन संगीत, सामवेद में संगीत।

इकाई –3

पौराणिक एवं महाकाव्य कालीन संगीत – (रामायण, महाभारत कालीन संगीत)

इकाई –4

जैन एवं बौद्ध कालीन संगीत, मौर्य एवं गुप्तकालीन संगीत।

इकाई –5

भरत कृत नाट्यशास्त्र एवं शारंगदेव कृत संगीत रत्नाकर के स्वर, श्रुति, सारणा प्रकरण का अध्ययन

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 2017–18

तृतीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

103– राग गायन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक –100

इकाई – 1

विस्तृत अध्ययन के राग –

- श्याम कल्याण
- शुद्ध सारंग
- अहीर भैरव
- रागे श्री
- बागे श्री
- गुर्जरी तोड़ी

इकाई – 2

सामान्य अध्ययन के राग –

- परमेश्वरी
- मारवा
- सोहनी
- मधमाद सारंग
- मेघ मल्हार
- बैरागी भैरव

उपरोक्त विस्तृत अध्ययन के रागों में से दो रागों में विलम्बित रचनाएं एवं सभी रागों में द्रुत रचनाएं।

सामान्य अध्ययन के किन्हीं चार रागों में द्रुत रचनाएं।

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 2017–18

चतुर्थ प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

104 – मंच प्रदर्शन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक –100

अ. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित विस्तृत अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में विलम्बित एवं द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

ब. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित सामान्य अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

स. निम्नलिखित रागों में से एक ध्रुवपद, एक धमार, दो तराने एवं एक ठुमरी अथवा दादरा लयकारियों एवं उपज के साथ एवं वादन हेतु त्रिताल के अतिरिक्त अन्य ताल में कोई भी दो रचनाएं एवं एक धुन।

बिहाग, बागेश्री, मालकौंस, कामोद, केदार, खमाज, पीलू, काफी।
शास्त्रीय संगीत के रागों पर आधारित फिल्मी गीत अथवा धुन।

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2018–19

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

201– संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धांत

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85
आ.मू.–15

इकाई –1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन –
देवगिरि बिलावल, यमनी बिलावल, मारू बिहाग, नायकी कान्हड़ा, झिंझोटी, मुल्तानी।

इकाई –2

पाठ्यक्रम के रागों की विलम्बित एवं द्रुत बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास। आलाप, तान–तोड़ों सहित।

इकाई –3

निम्नांकित का अध्ययन –
मेजर टोन, माइनर टोन, सेमीटोन, डायटोनिक स्केल, क्रोमेटिक स्केल, समविभागीय स्वर सप्तक।

इकाई –4

राग वर्गीकरण– थाट राग, राग–रागांग वर्गीकरण।

इकाई –5

अ– गायन हेतु– दिये गये पदों को उचित राग एवं ताल में निबद्ध करना।

ब– वादन हेतु– मिजराब के बोलों के आधार पर त्रिताल के अतिरिक्त किसी अन्य ताल में गत रचना।

स– निम्नलिखित तालों के ठेके– ठाह तिगुन, छह गुन के साथ आड, कुआड, बिआड में लिखना। चौताल, तिलवाडा, दीपचन्दी।

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2018–19

द्वितीय प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

202– भारतीय संगीत का इतिहास

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85

इकाई –1

खण्डमेरू, स्वर प्रस्तार, नश्टोदिष्ट प्रकरण (शारंगदेव कृत संगीत रत्नाकर के संदर्भ में)

इकाई –2

अ– भारतीय संगीत के मध्यकाल का इतिहास–मानसिंह कालीन संगीत

ब– मुगलकालीन संगीत।

इकाई –3

संगीत के घरानों की ऐतिहासिक जानकारी एवं निम्न घरानों का विशेष अध्ययन– ग्वालियर, किराना, जयपुर, आगरा, सेनिया, इमदाद खाँ घराना।

इकाई –4

आधुनिक कालीन संगीत – पं. भातखण्डे, पं. पलुस्कर का योगदान

इकाई –5

निम्नलिखित विषयों पर लगभग 400 शब्दों का निबन्ध लेखन–

1. भारतीय संगीत में गुरू शिष्य परम्परा।
2. शास्त्रीय संगीत की मंचीय प्रस्तुति का क्रम।
3. संगीत एवं चिकित्सा का सम्बन्ध।
4. राग एवं समय सिद्धांत का मनोवैज्ञानिक प्रभाव।
5. महाविद्यालयीन शिक्षा का प्रारंभ एवं भविष्य

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2017-18

तृतीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

203 – राग गायन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विभाग के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक 100

इकाई – 1

विस्तृत अध्ययन के राग –

- देवगिरी बिलावल
- यमनी बिलावल
- मारू बिहाग
- नायकी कान्हड़ा
- सूर मल्हार
- झिंझोटी

इकाई – 2

सामान्य अध्ययन के राग –

- सूहा
- सुघराई
- सहाना
- देस
- सरस्वती
- कलावती

विस्तृत अध्ययन के रागों में से दो रागों में विलम्बित रचनाएं एवं तीन रागों में द्रुत रचनाएं एवं सामान्य अध्ययन के रागों में कोई तीन द्रुत रचनाएं।

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2017–18

चतुर्थ प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

204 – मंच प्रदर्शन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक 100

अ. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित विस्तृत अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में विलम्बित एवं द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

ब. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित सामान्य अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

स. निम्नलिखित रागों में से एक ध्रुवपद, एक धमार, दो तराने एवं एक ठुमरी अथवा दादरा अथवा टप्पा–उपज के साथ एवं वादन हेतु त्रिताल के अतिरिक्त कोई भी दो रचनाएं एवं एक धुन।

यमन, जौनपुरी, दरबारी कान्हड़ा, मुल्तानी, पहाड़ी, शिवरंजनी, अडाणा, [illegible]।

शास्त्रीय संगीत के रागों पर आधारित फिल्मी गीत अथवा धुन।

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर 2018–19

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

301– व्यवहारिक एवं क्रियात्मक संगीत शास्त्र

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85

इकाई – 1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन –
आभोगी कान्हाड़ा, कौसी कान्हाड़ा, बिलासखानी तोड़ी, जोगिया, देसी, गोरख कल्याण।

इकाई – 2

प्रायोगिक पाठ्यक्रम के रागों को विलम्बित एवं मध्यलय की बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास आलाप एवं तानों/तोड़ों सहित।

इकाई –3

अ– निम्नलिखित तालों के ठेके – ठाह, आड, कुआड, बिआड लय में लिखना। रूपक, चौताल, पंचम सवारी। (कोई एक)

ब– हिन्दुस्तानी एवं पाश्चात्य नोटेशन पद्धतियों का अध्ययन।

इकाई –4

निबद्ध एवं अनिबद्ध गान–गायन, वादन की विभिन्न गीत शैलियों का अध्ययन

इकाई –5

अ– हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के चालीस सिद्धान्त (भातखण्डे जी की पद्धति अनुसार)।

ब– पं. भीमसेन जोशी, किशोरी अमोनकर, आचार्य वृहस्पति, रविशंकर, विलायत खाँ का जीवन परिचय एवं सांगितिक योगदान।

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. उत्तरार्द्ध तृतीय सेमेस्टर 2018-19

द्वितीय प्रश्न-पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

302 – ध्वनि शास्त्र एवं रचना तथा निबंध

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85

इकाई –1

1.1 मार्गी और देशी संगीत का अध्ययन

1.2 कंठ स्वर संस्थान की जानकारी एवं कंठ संस्कार।

इकाई –2

भारतीय वाद्यों का वर्गीकरण। प्राचीन, मध्यकालीन, आधुनिक मतानुसार।

इकाई –3

हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटकी संगीत पद्धतियों के प्रकारों का तुलनात्मक अध्ययन।

(1) राग एवं थाट (2) गायन शैलियाँ

इकाई –4

गीत रचना के सिद्धान्त एवं दिये गये पदों को उपयुक्त राग एवं ताल में निबद्ध करना।

वादन हेतु – बोलों के आधार पर त्रिताल के किसी अन्य ताल में गत रचना।

इकाई –5

संगीत से सम्बन्धित निम्न विषयों में से एक विषय पर लगभग 400 शब्दों का निबंध लेखन।

लोक संगीत, भारतीय शास्त्रीय संगीत का भविष्य तथा लोकप्रियता, वाद्य वृंद, संगीत एवं योग, दूरस्थ संगीत शिक्षण पद्धति की उपयोगिता, शास्त्रीय संगीत में इलैक्ट्रॉनिक वाद्य यंत्रों का उपयोग एवं उपादेयता।

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. उत्तरार्द्ध तृतीय सेमेस्टर 2017-18

तृतीय प्रश्न-पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

303– राग गायन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक 100

इकाई – 1

विस्तृत अध्ययन के राग –

- आभोगी कान्हड़ा
- कौंसी कान्हड़ा
- बिलासखानी तोड़ी
- जोगिया
- देसी
- गोरख कल्याण

इकाई – 2

सामान्य अध्ययन के राग –

- हंस ध्वनि
- जोग
- वसंतमुखारी
- हिंडोल
- भूपाल तोडी
- कोमलरिषभ आसावरी

उपरोक्त विस्तृत अध्ययन के रागों में से 2 रागों में विलम्बित ख्याल एवं सभी में द्रुत रचनाएं। सामान्य अध्ययन के रागों में सभी रागों में द्रुत रचनाएं।

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर 2017–18

चतुर्थ प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

304 – मंच प्रदर्शन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक 100

अ. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित विस्तृत अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में विलम्बित एवं द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

ब. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित सामान्य अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

स. निम्नलिखित रागों में से एक ध्रुवपद, एक धमार, दो तराने एवं एक ठुमरी अथवा दादरा–अथवा लयकारियों एवं उपज के साथ एवं वादन में त्रिताल के अतिरिक्त अन्य ताल में कोई भी दो रचनाएं एवं एक धुन।

भूपाली, मियाँ मल्हार, पूरियाधनाश्री, वृंदावनी सारंग, देश, तिलंग, पीलू, काफी।

शास्त्रीय संगीत के रागों पर आधारित फिल्मी गीत अथवा धुन।

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर 2018–19

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

401– व्यवहारिक एवं क्रियात्मक संगीत शास्त्र

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85

इकाई – 1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन–

विभास, मधुवंती, पूरियाकल्याण, चन्द्रकौंस, भटियार, जोगकौंस

इकाई – 2

प्रायोगिक पाठ्यक्रम के रागों की विलम्बित एवं मध्यलय की बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास आलाप एवं तानों/तोड़ों सहित।

इकाई –3

अ– दक्षिणी एवं उत्तर भारतीय ताल पद्धतियों की तुलना जाति भेद सहित।

ब– प्रचलित उत्तर भारतीय प्रमुख तालों को कर्नाटकी ताल पद्धति के अनुसार लिखना।

इकाई –4

(1) पाश्चात्य संगीत, (2) सुगम संगीत की स्वरलिपि का अध्ययन एवं अष्टछाप संगीत का अध्ययन

निम्न रागांगों का विशेष अध्ययन– कल्याण, भैरव, सारंग अंग

इकाई –5

अ– निम्नलिखित तालों के ठेके– ठाह, आड, कुआड, बिआड लय में लिखना। झपताल, धमार, तिलवाडा।

ब– दिये गये पद को उचित ताल एवं राग में निबद्ध करना।
वादन हेतु– बोलों के आधार पर त्रिताल के अतिरिक्त किसी अन्य ताल में गत रचना।

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर 2018–19

द्वितीय प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

402 – ध्वनि शास्त्र एवं रचना तथा निबंध

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85

इकाई – 1

(1) नाद– प्रकार एवं विशेषताएँ

(2) स्वयंभू नाद

(3) कर्ण की बनावट एवं श्रवण सिद्धांत।

इकाई – 2

ध्वनि विज्ञान– अनुरंजन, परावर्तन, आवर्तक, विवर्तन, अनुनाद, प्रतिध्वनि, दोलन एवं वहन, ध्वनि वेग तथा ध्वनि सम्बन्धित ज्ञान।

इकाई –3

(1) निम्न रागांगों का विशेष अध्ययन– मल्हार, कान्हाड़ा एवं तोड़ी।

(2) पं. अहोबल एवं व्यकंटमखी के ग्रंथों का अध्ययन।

इकाई –4

दिये गये पद एवं सितार के बोलों के आधार पर स्वर रचना का अभ्यास।

इकाई –5

संगीत से सम्बन्धित निम्न विषयों में से एक विषय पर लगभग 400 शब्दों का निबंध लेखन।

संगीत एवं रस, महाविद्यालयीन संगीत शिक्षा भविष्य एवं नवाचार की संभावनाएं, रवीन्द्र संगीत, महाराष्ट्र की कीर्तन परम्परा।

संगीत में शोध प्रविधि – परिभाषा, स्वरूप एवं संक्षिप्त परिचय।

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. उत्तरार्द्ध चतुर्थ सेमेस्टर 2016-17

तृतीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

403– राग गायन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2016–17 से प्रभावशील

पूर्णांक–100

इकाई – 1

विस्तृत अध्ययन के राग (कोई चार) –

- विभास
- मधुवंती
- पूरिया कल्याण
- चन्द्रकौंस
- भटियार
- जोगकौंस

इकाई – 2

सामान्य अध्ययन के राग –

- पूरिया
- धनाश्री
- नटभैरव
- श्री
- मियाँ की सारंग
- रामदासी मल्हार

उपरोक्त विस्तृत अध्ययन के रागों में से 2 रागों में विलम्बित रचनाएं एवं सभी रागों में द्रुत रचनाएं।

सामान्य अध्ययन के रागों में कोई 4 द्रुत रचनाएं।

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. संगीत चतुर्थ सेमेस्टर 2016-17

चतुर्थ प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

404 – मंच प्रदर्शन

पूर्णांक–100

अ प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित विस्तृत अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में विलम्बित एवं द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

ब. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित सामान्य अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

स. निम्नलिखित रागों में से एक ध्रुवपद, एक धमार, दो तराने एवं एक ठुमरी अथवा दादरा–अथवा लयकारियों एवं उपज के साथ एवं वादन हेतु त्रिताल के अतिरिक्त अन्य ताल में कोई भी दो रचनाएं एवं एक धुन।

देशकार, शंकरा, तिलक कामोद, भैरव, छायानट

शास्त्रीय संगीत के रागों पर आधारित फिल्मी गीत अथवा धुन।

Scanned with Oken Scanner

बी0ए0 संगीत तंत्र वाद्य एवं सुषिर वाद्य
बी0ए0 प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष वार्षिक पाठयक्रम 2017–18
ग्रंथ सूची

स.क्र	ग्रंथ का नाम	भाग	लेखक
1	राग परिचय	भाग–1, भाग–2	डॉ. हरिशचंद श्रीवास्तव
2	संगीतजलि	भाग–1	पं. ओंकरनाथ ठाकूर
3	संगीत विशरद		बसंत
4	संगीत शास्त्र विज्ञान		पन्नालाल "मदन"
5	राग रंजन		डॉ. सुधा दीक्षित
6	सितार शिक्षा	भाग–1, भाग–2, भाग–3	डॉ बलदाऊ, श्री श्रीवास्तव,
7	संगीत चिंतामणी		आचार्य ब्रहसपति
8	प्रणव भारती		डॉ सुभद्रा चौधरी
9	संगीत शास्त्र दर्पण		शांति गोवर्धन(भाग 01, 02)
10	भारतीय संगीत का इतिहास		भगवत शरण शर्मा
11	राग परिचय	भाग–1, भाग–2, भाग–3	डॉ. हरिश चंद्र श्रीवास्तव
12	भारतीय संगीत का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण		डॉ. स्वतंत्र शर्मा
13	उत्तर भारतीय संगीत का विश्लेषणात्मक अध्ययन		डॉ. स्वतंत्र शर्मा
14	संगीत सूचित सुमन		मुकेश
15	संगीत निबन्ध संग्रह	भाग–1	हरिशचन्द्र श्रीवास्तव
16	संगीत के जीवन पृष्ठ		विमलकांत राय चौधरी
17	भारतीय संगीत वाद्य		पं लालमणि मिश्रा
18	तंत्रीवाद्य		पं. लालमणि मिश्रा
19	शास्त्रीय संगीत नवाचार		मधुकली
20	संगीत शास्त्र		डॉ. जगदीश सहाय कुलश्रेष्ठ
21	भारतीय इतिहास में संगीत		भगवत शरण शर्मा

Scanned with Oken Scanner

संगीत विभाग

आंतरिक एवं बाह्य परीक्षकों की सूची

दिनांक 25.06.15 के अध्ययन मंडल की बैठक मे पारित

गायन

1. डॉ. अश्विना रांगणेकर – शा. स. ना. स्ना. स्व. महाविद्यालय, भोपाल
2. डॉ. नीना श्रीवास्तव – शा. स. ना. स्ना. स्व. महाविद्यालय, भोपाल
3. डॉ. मीरा काले – शा. मा.बा. स्ना. स्व. महाविद्यालय, जबलपुर
4. डॉ. पृथा बैनर्जी – शा. मा.बा. स्ना. स्व. महाविद्यालय, जबलपुर
5. डॉ. सुप्रिया बोस – शा. मा.बा. स्ना. स्व. महाविद्यालय, जबलपुर
6. डॉ. संध्या महाजन – शा. कन्या महाविद्यालय, उज्जैन
7. डॉ. अर्चना परमार – शा. कन्या महाविद्यालय, उज्जैन
8. डॉ. वर्षा अग्रवाल – शा. कन्या महाविद्यालय, उज्जैन
9. डॉ. मीना मोघे – शा. कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन
10. डॉ. प्रकाश कडौतिया – शा. कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन
11. डॉ. इब्राहिम अली – शा. कालिदास कंन्या महाविद्यालय, उज्जैन
12. डॉ. बी. वर्षा – शा. कन्या स्वा. महाविद्यालय, रतलाम
13. डॉ. स्नेहा पंडित – शा. कन्या स्वा. महाविद्यालय, रतलाम
14. डॉ. सुधा सहगल – दयाल बाग विश्व विद्यालय, आगरा
15. डॉ. अरुण धर्माधिकारी – भारतीय संगीत महाविद्यालय, ग्वालियर
16. श्री संजय देवले – भारतीय संगीत महाविद्यालय, ग्वालियर
17. डॉ. रंजना टोणपे – भारतीय संगीत महाविद्यालय, ग्वालियर
18. डॉ. गोविंद धारकर – भारतीय संगीत महाविद्यालय, ग्वालियर
19. श्री प्रमोद बापट – शंकर गांधर्व संगीत महाविद्यालय, ग्वलियर
20. श्रीमती वैशाली मोघे – श्री शारदा नाद मंदिर, ग्वालियर
21. डॉ. बागेश्री जोशी – शा. जीजामाता कन्या स्ना. स्व. महाविद्यालय, इन्दौर

Scanned with Oken Scanner

22. डॉ. सुवर्णा वाड — शा. जीजामाता कन्या स्ना. स्व. महाविद्यालय, इन्दौर

23. डॉ. रवि पंडोले — शा. म.ल.बा. स्ना. स्व. महाविद्यालय, भोपाल

24. डॉ. रागेश्री रतौनिया — शा. म.ल.बा. स्ना. स्व. महाविद्यालय, भोपाल

25. डॉ. श्रीधर आरोणकर — शा. कन्या महाविद्यालय अरोणकर

26. श्रीमती रागिनी पराडकर — शा. मा. स्वा. स्व. महाविद्यालय, खंडवा

27. श्रीमती आरती दुबे — शा. मा. स्वा. स्व. महाविद्यालय, खंडवा

28. डॉ. सुहासिनी साठे — शा. कन्या महाविद्यालय, रीवा

29. श्रीमती सरिता पाठक — शा. कन्या महाविद्यालय, रीवा

डॉ० विनोद कठारे — रा. मा. तो. संगीत एवं कला वि. वि. ग्वालियर

30. डॉ: स्मिता सहस्त्रबुद्धे
31. श्री अनूप मोघे
32. श्रीमती स्वप्ना मराठे

} आंतरिक परीक्षक हेतु

संगीत विभाग

आंतरिक एवं बाह्य परीक्षकों की सूची

दिनांक 25.06.15 के अध्ययन मंडल की बैठक में पारित

सितार

1. डॉ. सुधा दीक्षित – शा. स. ना. स्ना. स्व. महाविद्यालय, भोपाल
2. डॉ. अखिलेश सप्रे – शा. मानकुंवर बाई क. स्ना. म.वि., जबलपुर
3. डॉ. हर्षवर्धन ठाकुर – शा. क. स्ना. म. वि. किला भवन, इन्दौर
4. डॉ. रूपश्री दुबे – शा. क. स्ना. म. वि. किला भवन, इन्दौर
5. डॉ. सुवर्णा तावसे – शा. क. स्ना. महाविद्यालय, इन्दौर
6. डॉ. लोकेश वाहने – शा. क. स्ना. महाविद्यालय दशहरा मैदान, उज्जैन
7. डॉ. पुर्णेन्दु शर्मा – शा. क. स्ना. महाविद्यालय दशहरा मैदान, उज्जैन
8. डॉ. गीता मिश्रा – शा. क. स्ना. महाविद्यालय, इन्दौर
9. डॉ. विनीता नामदेव – शा. क. स्ना. महाविद्यालय, इन्दौर
10. डॉ. रेनू वर्मा – शा. जी.डी. जैन क. स्ना. महाविद्यालय, आगरा
11. डॉ. लवली शर्मा – दयालबाग विश्व विद्यालय, आगरा
12. डॉ. नरेन्द्र महर्षि – गुजरात विद्यापीठ अहमदाबाद
13. डॉ. सुधीर मसूरकर – सेवानिवृत्त भारतीय संगीत महाविद्यालय, ग्वालियर
14. शालिनी अग्निहोत्री – सेवानिवृत्त शा. माधव सगीत महाविद्यालय, ग्वालियर
15. राहुल कमल बड़ौदिया– एम.एस. विश्व विद्यालय, बड़ोदरा
16. डॉ. संजीव भंडारी – शा. वि. आर. जी. स्ना. महाविद्यालय, ग्वालियर
17. डॉ. अतुल गुप्ता – शा. के.आर.जी. कॉलेज, ग्वालियर
18. श्री प्रमोद बापट – शंकर गांधर्व महाविद्यालय, ग्वालियर
19. डॉ. राजीव जैन – शा.मा.बाई. कन्या महाविद्यालय जबलपुर
20. श्री मनोज नाईक – सारदा नाद मंदिर
21. ज्योत्सना राणा – शा. क.रा. कन्या महाविद्यालय, ग्वालियर
22. डॉ. यशोधरा मसूरकर – शा. क.रा. कन्या महाविद्यालय, ग्वालियर
23. डा. देवाशीष बैनर्जी –

Scanned with Oken Scanner

संगीत विभाग

आंतरिक एवं बाह्य परीक्षकों की सूची

दिनांक 25.06.15 के अध्ययन मंडल की बैठक में पारित

नृत्य

1. डॉ. नीता गहरवार – इं. क. संगीत विश्व विद्यालय, खैरागढ़
2. डॉ. बी.डी.मानिक – शा. विजयाराजे कन्या स्ना. स्व. महाविद्यालय, मुरार
3. डॉ. अजय सवने – महाराजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला वि.वि., ग्वालियर
4. श्रीमती सुनीलम् चतुर्वेदी – निदेशक नटराज संगीत शिक्षण संस्थान, ग्वालियर
5. श्रीमती तरुणा सिंह – शा. संगीत महा. उज्जैन
6. डॉ. मोहिनी माणिक – निदेशक कत्थक कला केन्द्र ग्वालियर
7. डॉ. मोनिका श्रीवास्तव – कला केन्द्र, ग्वालियर
8. श्री छवी नायक – शा. माधव संगीत महाविद्यालय, उज्जैन
9. डॉ. विजया शर्मा – शा. म. ल. बा. कन्या स्वा. महाविद्यालय, भोपाल
10. डॉ. रश्मि राठौर – शा. स. ना. स्ना. स्व. महाविद्यालय, भोपाल
11. डॉ. समृद्धा चौधरी (आंतरिक परीक्षक) – शा. क. रा. क. स्ना. स्व. महाविद्यालय, ग्वालियर

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

सर्टिफिकेट कोर्स

सुगम संगीत (गायन)

पूर्णांक 200

1. प्रारंभिक 10 अलंकार (कल्याण, बिलावल थाट) — 25
2. कोई 2 गीत (महादेवी, निराला, हरिवंशराय बच्चन, अटलबिहारी वाजपेयी, सुमित्रानंदन पंत, नीरज) अथवा — 25
   कोई 2 ग़ज़ल (बहादुरशाह ज़फ़र, मिर्ज़ा ग़ालिब, फ़ैज़ अहमद फ़ैज़,
   कोई 2 भजन (मीरा, कबीर, सूर, तुलसी)
3. ताल परिचय – दादरा, कहरवा, रूपक, त्रिताल एवं ताली देना — 25
4. संगीत शास्त्र – संगीत की उत्पत्ति, शास्त्रीय एवं सुगम संगीत का तुलनात्मक अध्ययन। — 25
5. परियोजना कार्य –किन्हीं दो गीतों का संगीत संयोजन स्वरलिपि सहित — 100

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

प्रदर्शनात्मक कला **अवधि - एक माह**

सर्टिफिकेट कोर्स

हारमोनियम, की बोर्ड

	पूर्णांक–200
1. अपने वाद्य की जानकारी	25
2. वाद्य पर प्रारंभिक 10 अलंकारों को बजाना	25
3. ताल–दादरा, कहरवा, त्रिताल, हाथ पर ताली लगाना	25
4. राष्ट्रीय गीत अथवा वंदेमातरम् का वादन	25
5. परियोजना कार्य– किन्हीं दो गीतों की स्वरलिपि बनाना	100

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

सर्टिफिकेट कोर्स

कत्थक (नृत्य)

पूर्णांक 200

1. कत्थक का प्रारंभिक ज्ञान – मुद्रा, हस्तक आदि	25
2. तालों का परिचय दादरा, त्रिताल, एकताल, कहरवा	25
3. तत्तकार दुगुन सहित (तीन ताल में)	25
4. लोक नृत्य कोई एक	25
5. परियोजना कार्य–किन्हीं दो महान नृत्यकारों का चित्रों सहित जीवन परिचय *अथवा* हस्त मुद्राओं का विवेचन	100

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

सर्टिफिकेट कोर्स

तबला / ढ़ोलक वादन

पूर्णांक 200

1. वाद्य की संपूर्ण जानकारी	25
2. वाद्य के बोल निकासी एवं हस्त संचालन	25
3. ताल–दादरा, कहरवा बजाना	25
4. तीनताल, एकताल की ताली लगाना	25
5. परियोजना कार्य – किन्हीं दो महान तबला वादकों का जीवन परिचय–चित्रों सहित	100

Scanned with Oken Scanner